SAMPLE QUESTION PAPER - 3
SUBJECT- Hindi A (002)
CLASS IX (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक:** 80

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 44 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हँसी हमारे भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न है। जीवन की सबसे प्यारी और उत्तम से उत्तम वस्तु एक बार हँस लेना तथा शरीर को अच्छा रखने की अच्छी से अच्छी दवा एक बार खिलखिला उठना है। पुराने लोग कह गए हैं कि हँसो और पेट फुलाओ। हँसी कितने ही कला-कौशलों से भली है। जितना ही अधिक आनंद से हँसोगे उतनी ही आयु बढ़ेगी। एक यूनानी विद्वान कहता है कि सदा अपने कर्मों पर खीझने वाला हेरीक्लेस बहुत कम जिया, पर प्रसन्न मन डेमाक्रीट्स 109 वर्ष तक जिया। हँसी-खुशी का नाम जीवन है। जो रोते हैं उनका जीवन व्यर्थ है। कवि कहता है-'ज़िदगी जिंदादिली का नाम है, मुर्दा दिल क्या खाक जिया करते हैं।' मनुष्य के शरीर के वर्णन पर एक विलायती विद्वान ने पुस्तक लिखी है। उसमें वह कहता है कि उत्तम सुअवसर की हँसी उदास-से-उदास मनुष्य के चित्त को प्रफुल्लित कर देती है। आनंद एक ऐसा प्रबल इंजन है कि उससे शोक और दुख की दीवारों को ढहा सकते हैं। प्राण रक्षा के लिए सदा सब देशों में उत्तम-से-उत्तम उपाय मनुष्य के चित्त को प्रसन्न रखना है। सुयोग्य वैद्य अपने रोगी के कानों में आनंदरूपी मंत्र सुनाता है।

एक अंग्रेज डॉक्टर कहता है कि किसी नगर में दवाई लदे हुए बीस गधे ले जाने से एक हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है।

(i) हेरीक्लेस व डेमाक्रीट्स के उदाहरण से लेखक क्या स्पष्ट करना चाहता है?

i. प्रसन्नचित्त व्यक्ति का लंबे समय तक जीना।
ii. रोते - चीखते रहने वाले व्यक्ति का जल्दी मरना।
iii. जिंदगी चुपचाप जीनी चाहिए।
iv. जिंदगी जिंदादिली का नाम है।

क) कथन i, ii व iii सही हैं
ख) कथन iii व iv सही हैं
ग) कथन i व iv सही हैं
घ) कथन i, iii व iv सही हैं

(ii) हँसी को एक शक्तिशाली इंजन के समान क्यों कहा गया है?

क) शोक व दुख की दीवारों को ढहाने में सक्षम होने के कारण
ख) आयु कम करने के कारण
ग) प्राण रक्षा के लिए
घ) हँसी का कला-कौशलों से युक्त होने के कारण

(iii) हँसी भीतरी आनंद को कैसे प्रकट करती है?

क) इनमें से कोई नहीं
ख) खिलखिलाकर हँसने से
ग) मन में ख़ुशी व प्रसन्नता के भाव से
घ) चित्त को प्रसन्न रखने से

(iv) डेमाक्रीट्स कितने वर्षों तक जीवित रहा?

क) 109
ख) 108
ग) 190
घ) 101

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): प्राण - रक्षा के लिए मनुष्य के चित्त का प्रसन्न होना आवश्यक है।
कथन (R): एक हँसोड़ मनुष्य उदास वातावरण को प्रफुल्लता से भर देता है।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
ख) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
घ) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

सच हम नहीं सच तुम नहीं
सच है महज संघर्ष हो।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम कि तुम,
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृक्ष से
झरकर कुसुम जो लक्ष्य भूल सका नहीं
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी रही।

सच हम नहीं सच तुम नहीं।
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो भी जहाँ चुपचाप अपने आपसे लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें।
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें।
हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।
-- जगदीश गुप्त

(i) निम्नलिखित कथनों की सत्यता पर विचार कीजिए -

i. जीवन में आने वाले संघर्ष ही सच का वास्तविक रूप है।
ii. संसार में वास्तविक सच न तो हम हैं और न तुम।
iii. भीरु मनुष्य डाली से टूटे हुए फूल के समान है।
iv. संघर्ष में मनुष्य रास्ता भटक जाता है और रुक जाता है।

क) कथन ii व iii सही हैं
ख) कथन iv सही है
ग) कथन i, iii व iv सही हैं
घ) कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) कवि के अनुसार जीत उसी की होती है, जो

क) हर परिस्थिति को चुनौती के रूप में स्वीकार नहीं करता
ख) जो डर जाता है
ग) संघर्षों से डरकर पीछे हट जाता है
घ) समस्याओं से नहीं घबराता

(iii) **कुसुम** शब्द का पर्यायवाची इनमें से कौन-सा शब्द नहीं है?

क) पुहुप
ख) गुलाब
ग) प्रसून
घ) सुमन

(iv) **जो नत हुआ वह मृत हुआ** पंक्ति से कवि का आशय है

क) जो सतत चलता नहीं, वह मर जाता है
ख) जो गिरता है, उसका पतन होता है
ग) जो झुक गया, वही सफल हो गया
घ) जो झुक गया, वह मर गया

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): अपने हालातों का रोना रोए बिना अपने संघर्षों से लड़ते रहना चाहिए।
कथन (R): चाहे कैसी भी परिस्थिति आए, अपने आत्मविश्वास को टूटने नहीं देना चाहिए।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ख) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

घ) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

3. **निर्देशानुसार 'उपसर्ग और प्रत्यय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **लेखक** शब्द में प्रत्यय बताइए- **[1]**

क) अक

ख) अक्कड़

ग) अन

घ) अनीय

(ii) 'महत्व' शब्द में कौन-सा प्रत्यय प्रयोग किया गया है? **[1]**

क) हत्व

ख) त्व

ग) वह

घ) व

(iii) **दुष्प्राप्य** शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है? **[1]**

क) दुस्

ख) दुष्प्र

ग) दुष्

घ) दु

(iv) नीचे दिये गये शब्दों में से किस शब्द में तत्सम उपसर्ग जुड़ा है? **[1]**

क) बखूबी

ख) कमजोर

ग) अनुभव

घ) सरपंच

(v) **स्वागत** में कौन-सा उपसर्ग लगा है? **[1]**

क) स्वा

ख) स्

ग) सु

घ) सव्

4. **निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) 'वचनामृत' शब्द के लिए उचित समास विग्रह और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए। **[1]**

क) अमृत के समान वचन - समास विग्रह
कर्मधारय समास - समास का नाम

ख) अमृत के समान वचन - समास विग्रह
तत्पुरुष समास - समास का नाम

ग) वचन के समान अमृत - समास विग्रह
अव्ययीभाव समास - समास का नाम

घ) वचन के समान अमृत - समास विग्रह
तत्पुरुष समास - समास का नाम

(ii) **गिरिधर** समस्त पद का सही समास विग्रह और समास के नाम का चयन कर लिखिए: **[1]**

क) गिरि को धारण किया है जिसने - बहुव्रीहि

ख) गिरि को धारण करने वाला - अव्ययीभाव

ग) गिरि का रहने वाला - कर्मधारय

घ) गिरि पर रहने वाला - द्विगु

(iii) **अस्थिजाल** का सही समास-विग्रह है - **[1]**

क) अस्थि रूपी जाल

ख) अस्थि के लिए जाल

ग) अस्थि का जाल

घ) अस्थि सम जाल

(iv) **द्वंद्व समास** के लिए सही समस्त पद कौन-सा है? **[1]**

क) रसोईघर

ख) नर-नारी

ग) कामचोर

घ) चंद्रमुखी

(v) बसचालक **[1]**

क) बस को चलाने वाला - तत्पुरुष समास

ख) बस का चालक - कर्मधारय समास

ग) बस का चालक है जो - तत्पुरुष समास

घ) बस के लिए चालक - कर्मधारय समास

5. **निर्देशानुसार 'अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) आज्ञावाचक वाक्य किसे कहते हैं ? **[1]**

क) जिससे किसी आज्ञा का बोध हो

ख) जिस वाक्य से आश्चर्य का बोध हो

ग) मिश्रित वाक्य को

घ) संयुक्त वाक्य को

(ii) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए- [1]
गोविन्द बैंक नहीं गया और उसे रुपया नहीं मिला।

क) निषेधवाचक ख) इच्छावाचक

ग) संदेहवाचक घ) विधानवाचक

(iii) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए- [1]
सवेरा होते ही पक्षी कलरव करने लगे।

क) आज्ञावाचक ख) विस्मयवाचक

ग) इच्छावाचक घ) विधानवाचक

(iv) आज वर्षा के कारण मैच नहीं होगा। इस वाक्य को संदेहवाचक वाक्य में बदलिए- [1]

क) क्या आज वर्षा के कारण मैच नहीं होगा? ख) यदि वर्षा हुई तो आज मैच नहीं होगा।

ग) इनमें से कोई नहीं घ) शायद आज वर्षा के कारण मैच नहीं होगा।

(v) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए- [1]
गिरीश चाहता है कि वह खूब पढ़े।

क) संदेहवाचक ख) इच्छावाचक

ग) विधानवाचक घ) प्रश्नवाचक

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) जहाँ एक या एक से अधिक वर्णों की बार-बार आवृत्ति से चमत्कार उत्पन्न हो, वहां कौन-सा अलंकार होता है? [1]

क) यमक ख) श्लेष

ग) उपमा घ) अनुप्रास

(ii) जब किसी शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार हो, हर बार उस शब्द का अर्थ भिन्न हो। वहाँ कौन-सा अलंकार होता है? [1]

क) यमक ख) उपमा

ग) अनुप्रास घ) श्लेष

(iii) **नदियाँ जिनकी यशधारा सी** में अलंकार है- [1]

क) मानवीकरण   ख) अतिशयोक्ति

ग) उपमा   घ) उत्प्रेक्षा

(iv) **मैया मैं तो चंद्र-खिलौना लैहों।** पंक्ति में कौन-सा अलंकार है? [1]

क) अतिश्योक्ति अलंकार   ख) रूपक अलंकार

ग) यमक अलंकार   घ) उपमा अलंकार

(v) **विमल वाणी ने वीणा ली, कमल कोमल क्र में सप्रीत।** पंक्ति में कौन-सा अलंकार है? [1]

क) उपमा अलंकार   ख) अनुप्रास अलंकार

ग) यमक अलंकार   घ) रूपक अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

जानवरों में गधा सबसे ज्यादा बुद्धिहीन समझा जाता है। हम जब किसी आदमी को परले दराजे का बेवकूफ़ कहना चाहते हैं, तो उसे गधा कहते हैं। गधा सचमुच बेवकूफ़ है या उसके सीधेपन, उसकी निरापद सहिष्णुता ने उसे यह पदवी दे दी है, इसका निश्चय नहीं किया जा सकता। गायें सींग मारती हैं, ब्याई हुई गाय तो अनायास ही सिंहनी का रूप धारण कर लेती है। कुत्ता भी बहुत गरीब जानवर है, लेकिन कभी-कभी उसे भी क्रोध आ ही जाता है; किंतु गधे को कभी क्रोध करते नहीं सुना, न देखा। जितना चाहो गरीब को मारो, चाहे जैसी खराब, सड़ी हुई घास सामने डाल दो, उसके चेहरे पर कभी असंतोष की छाया भी न दिखाई देगी।

(i) प्रस्तुत गद्यांश में किसके सीधेपन के बारे में बताया गया है?

क) गधे के   ख) कुत्ते के

ग) बैल के   घ) भैंस के

(ii) किस तरह के आदमी को गधे की संज्ञा दी जाती है?

क) इनमें से कोई नहीं   ख) बुद्धिमान व्यक्ति को

ग) बिल्कुल बुद्धिहीन व्यक्ति को   घ) सीधे-साधे व्यक्ति को

(iii) **निरापद सहिष्णुता** से क्या अभिप्राय है?

क) बुद्धिहीन व्यक्ति की सहनशीलता   ख) बुद्धिमान व्यक्ति की सहनशीलता

ग) किसी को विपदा में डालने वाली सहनशीलता   घ) किसी को विपदा में न डालने वाली सहनशीलता

(iv) किस जानवर को कभी क्रोध करते न देखा और न सुना गया?

क) गधे को | ख) कुत्ते को
ग) गाय को | घ) बैल को

(v) **निरापद** में कौन-सा उपसर्ग है?

क) निर् | ख) निरा
ग) निर | घ) नि

8. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) सालिम अली के साथ सदैव किसे देखा जाता था? **[1]**

क) पक्षी | ख) मित्र
ग) दूरबीन | घ) परिवारजन

(ii) 'प्रेमचंद के फटे जूते' निबंध में 'टोपी' व 'जूते' क्रमशः निम्न में से किनका प्रतीक हैं ? **[1]**

क) मान व समृद्धि | ख) उत्कृष्ट व निकृष्ट
ग) प्रेम व घृणा | घ) दिखावा व प्रेम

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

काबा फिरि कासी भया, रामहिं भया रहीम।
मोट चून मैदा भया, बैठि कबीरा जीम।।

(i) पद्यांश के अनुसार, काबा-काशी किसके लिए समान होते हैं?

क) अज्ञानी लोगों के लिए | ख) ज्ञानी लोगों के लिए
ग) कट्टरपंथी लोगों के लिए | घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ii) राम, रहीम कैसे हो गए?

क) धर्मों के बीच भेदभाव करते ही | ख) इनमें से कोई नहीं
ग) धार्मिक भेदभाव के समाप्त होते ही | घ) धार्मिक भावना आहत होते ही

(iii) मोट चून मैदा भया' से क्या भाव है?

क) आटा और मैदा एक ही चीज (गेहूँ) के बनते हैं, उसी तरह राम और रहीम भी ईश्वर के ही दो रूप हैं

ख) मैदा और चून में कोई अंतर नहीं होता

ग) चून मोटा होता है और मैदा पतला

घ) चून को बारीक पीसकर मैदा बनाया जाता है

(iv) प्रस्तुत साखी से कबीर का क्या उद्देश्य है?

क) सांप्रदायिक एकता को बनाए रखना

ख) हिंदू और मुसलमानों के लिए कार्य करना

ग) इनमें से कोई नहीं

घ) हिंदू-मुसलमानों में धार्मिक भेदभाव बताना

(v) यहाँ **जीम** शब्द का क्या अर्थ है?

क) गेहूँ

ख) खाना

ग) सांप्रदायिकता

घ) पीना

10. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) **ग्राम श्री** पाठ के आधार पर फसलों पर क्या लिपट गया है? **[1]**

क) हरियाली

ख) पक्षी

ग) सूरज की किरणें

घ) बेलें

(ii) भयानक है लेकिन इससे भी ज्यादा यह **[1]**
कि हैं सारी चीजें हस्बमामूल
पर दुनिया की हजारों सड़कों से गुजरते हुए
बच्चे, बहुत छोटे-छोटे बच्चे
काम पर जा रहे हैं ।
कवि राजेश जोशी ने अपनी कविता 'बच्चे काम पर जा रहे हैं ' की इन पंक्तियों में मुख्य रूप से किस अलंकार का प्रयोग किया है ?

क) यमक

ख) अनुप्रास

ग) पुनरुक्ति प्रकाश

घ) मानवीकरण

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** [6]

(i) तिब्बत में कृषि योग्य जमीन की क्या स्थिति है? [2]

(ii) 'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ में लेखक द्वारा प्रेमचंद के जूते फटने के क्या कारण बताए गए हैं? [2]

(iii) सुभद्रा कुमारी को कैसे पता चला कि महादेवी वर्मा भी कविताएँ लिखती हैं? [2]

(iv) लेखक ने नई संस्कृति को अनुकरण की संस्कृति क्यों कहा है? [2]

12. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** [6]

(i) माँझी और उतराई का प्रतीकार्थ समझाइए? यह माँझी कवयित्री को कहाँ पहुँचाता है? [2]

(ii) मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए? [2]

(iii) कवि जेल के आसपास अन्य पक्षियों का चहकना भी सुनता होगा लेकिन उसने कोकिला की ही बात क्यों की है? [2]

(iv) कवि रसखान हर जन्म में हर रूप में कहाँ जन्म लेना चाहते हैं? और क्यों? [2]

13. **पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-** [8]

(i) **इस जल प्रलय में** पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए की लेखक ने बाढ़ पीड़ितों की मदद की है तथा इस विषय पर अपनी कलम भी चलाई है। [4]

(ii) दादी ने चोर का जीवन किस प्रकार बदल दिया? मेरे संग की औरतें पाठ के आधार पर लिखिए। [4]

(iii) आप एक संवेदनशील नवयुवक के रूप में **रीढ़ की हड्डी** के गोपाल प्रसाद जैसे व्यक्ति में नारी विषयक विचारों का विरोध तथा नारी की शिक्षा के विषय में अपने नैतिक दायित्व का निर्वाह कैसे करेंगे? नारी-शिक्षा विषयक अपने विचारों को संक्षेप में लिखिए। [4]

14. **सत्यमेव जयते** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [6]

- भाव
- झूठ के पाँव नहीं होते
- सत्य ही परम धर्म

अथवा

भारतीय किसान के कष्ट विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- अन्नदाता की कठिनाइयाँ
- कठोर दिनचर्या
- सुधार के उपाय

अथवा

ऐसे हों पड़ोसी विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- सहायता को तत्पर
- मिलनसार
- मृदुल व्यवहार

15. आपके क्षेत्र के पार्क को कूड़ेदान बना दिया गया था। अब पुलिस की पहल और मदद से पुनः बच्चों के लिए खेल का मैदान बन गया है। अतः आप पुलिस आयुक्त को धन्यवाद पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

विदेश में रहने वाले अपने मित्र को भारतीय त्योहारों के विषय में पत्र लिखिए।

16. **मैं तितली हूँ** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके क्षेत्र में हरे-भरे पेड़ों को अंधाधुंध काटा जा रहा है। इसकी शिकायत करते हुए अपने जिले के वन-निरीक्षक को pccfgnctd@gmail.com एक ईमेल लिखिए।

17. किसी प्राइवेट स्कूल में नौकरी हेतु साक्षात्कार देने आए दो उम्मीदवारों के मध्य होने वाले संवाद को लिखिए। **[4]**

अथवा

आप संगीत महिपाल/संगीता महिपाल हैं और राजकीय माध्यमिक विद्यालय के छात्र परिषद् के खेल सचिव हैं। अपने विद्यालय में आयोजित होने वाले **वार्षिक खेल महोत्सव** के संबंध में विवरण सहित एक सूचना लिखिए।

Answers

खंड - अ (बहुविकल्पी प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

हँसी हमारे भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न है। जीवन की सबसे प्यारी और उत्तम से उत्तम वस्तु एक बार हँस लेना तथा शरीर को अच्छा रखने की अच्छी से अच्छी दवा एक बार खिलखिला उठना है। पुराने लोग कह गए हैं कि हँसो और पेट फुलाओ। हँसी कितने ही कला-कौशलों से भली है। जितना ही अधिक आनंद से हँसोगे उतनी ही आयु बढ़ेगी। एक यूनानी विद्वान कहता है कि सदा अपने कर्मों पर खीझने वाला हेरीक्लेस बहुत कम जिया, पर प्रसन्न मन डेमाक्रीट्स 109 वर्ष तक जिया। हँसी-खुशी का नाम जीवन है। जो रोते हैं उनका जीवन व्यर्थ है। कवि कहता है-'ज़िदगी जिंदादिली का नाम है, मुर्दा दिल क्या खाक जिया करते हैं।' मनुष्य के शरीर के वर्णन पर एक विलायती विद्वान ने पुस्तक लिखी है। उसमें वह कहता है कि उत्तम सुअवसर की हँसी उदास-से-उदास मनुष्य के चित्त को प्रफुल्लित कर देती है। आनंद एक ऐसा प्रबल इंजन है कि उससे शोक और दुख की दीवारों को ढहा सकते हैं। प्राण रक्षा के लिए सदा सब देशों में उत्तम-से-उत्तम उपाय मनुष्य के चित्त को प्रसन्न रखना है। सुयोग्य वैद्य अपने रोगी के कानों में आनंदरूपी मंत्र सुनाता है। एक अंग्रेज डॉक्टर कहता है कि किसी नगर में दवाई लदे हुए बीस गधे ले जाने से एक हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है।

(i) **(क)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) **(क)** शोक व दुख की दीवारों को ढहाने में सक्षम होने के कारण
व्याख्या: शोक व दुख की दीवारों को ढहाने में सक्षम होने के कारण

(iii) **(ख)** खिलखिलाकर हँसने से
व्याख्या: खिलखिलाकर हँसने से

(iv) **(क)** 109
व्याख्या: 109

(v) **(ख)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

सच हम नहीं सच तुम नहीं
सच है महज संघर्ष हो।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम कि तुम,
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृक्ष से
झरकर कुसुम जो लक्ष्य भूल सका नहीं
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी रही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।

ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो भी जहाँ चुपचाप अपने आपसे लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें।
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें।
हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।
-- जगदीश गुप्त

(i) **(घ)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कवि ने जीवन का सच संघर्ष को माना है। कवि कहता है कि मेरा तुम्हारा सच वास्तव में सच नहीं है असली सच तो निरंतर संघर्ष में है।

(ii) **(घ)** समस्याओं से नहीं घबराता
व्याख्या: कवि के अनुसार जीत उसी की होती है, जो समस्याओं से नहीं घबराता है बल्कि डटकर उनका सामना करता है तथा संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता रहता है।

(iii) **(ख)** गुलाब
व्याख्या: 'कुसुम' शब्द का पर्यायवाची गुलाब नहीं है, जबकि सुमनु, प्रसून तथा पुहुप, कुसुम के पर्यायवाची हैं। गुलाब एक फूल का नाम है किंतु फूल का पर्याय नहीं है।

(iv) **(घ)** जो झुक गया, वह मर गया
व्याख्या: जो संघर्षों के कारण स्वयं को हारा हुआ मान लेता है अर्थात् उनके आगे झुक जाता है, वह मृत व्यंक्ति के समान होता है।

(v) **(ख)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहता है कि हमें विषम परिस्थितियों में हार नहीं माननी चाहिए बल्कि उनका सामना करते हुए जीवन के मार्ग में आगे बढ़ना चाहिए।

3. निर्देशानुसार 'उपसर्ग और प्रत्यय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** अक
व्याख्या: अक

(ii) **(ख)** त्व
व्याख्या: त्व (महत+ त्व)

(iii) **(क)** दुस्
व्याख्या: दुस् + प्राप्य

(iv) **(ग)** अनुभव
व्याख्या: अनुभव

(v) **(ग)** सु
व्याख्या: सु

4. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** अमृत के समान वचन - समास विग्रह
कर्मधारय समास - समास का नाम
व्याख्या: उपमेय - उपमान का संबंध होने के कारण यहाँ कर्मधारय समास है।

(ii) **(क)** गिरि को धारण किया है जिसने - बहुव्रीहि
व्याख्या: गिरि को धारण किया है जिसने - बहुव्रीहि

(iii) **(ग)** अस्थि का जाल
व्याख्या: अस्थि का जाल

(iv) **(ख)** नर-नारी
व्याख्या: नर-नारी

(v) **(क)** बस को चलाने वाला - तत्पुरुष समास
व्याख्या: यह विकल्प सही है क्योंकि प्रस्तुत शब्द में द्वितीय शब्द प्रधान है और 'को' परसर्ग (कर्म तत्पुरुष-को) का भी प्रयोग किया गया है जोकि तत्पुरुष समास में ही प्रयुक्त होता है।

5. निर्देशानुसार 'अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** जिससे किसी आज्ञा का बोध हो
व्याख्या: आज्ञा का बोध कराने वाले वाक्य को आज्ञावाचक वाक्य कहते हैं।

(ii) **(क)** निषेधवाचक
व्याख्या: निषेधवाचक

(iii) **(घ)** विधानवाचक
व्याख्या: विधानवाचक

(iv) **(घ)** शायद आज वर्षा के कारण मैच नहीं होगा।
व्याख्या: शायद आज वर्षा के कारण मैच नहीं होगा।

(v) **(ख)** इच्छावाचक
व्याख्या: इच्छावाचक

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** अनुप्रास
व्याख्या: अनुप्रास I जैसे- मुदित महीपति मंदिर आए। ('म' वर्ण की आवृत्ति बार- बार है)

(ii) **(क)** यमक
व्याख्या: यमक। जैसे - काली घटा का घमंड घटा। (घटा- बादलों की घटा, कम हुआ) 'घटा' शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार हुई है।

(iii) **(ग)** उपमा
व्याख्या: उपमा

(iv) **(ख)** रूपक अलंकार
व्याख्या: रूपक अलंकार

(v) **(ख)** अनुप्रास अलंकार
व्याख्या: अनुप्रास अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जानवरों में गधा सबसे ज्यादा बुद्धिहीन समझा जाता है। हम जब किसी आदमी को परले दराजे का बेवकूफ़ कहना चाहते हैं, तो उसे गधा कहते हैं। गधा सचमुच बेवकूफ़ है या उसके सीधेपन, उसकी निरापद सहिष्णुता ने उसे यह पदवी दे दी है, इसका निश्चय नहीं किया जा सकता। गायें सींग मारती हैं, ब्याई हुई गाय तो अनायास ही सिंहनी का रूप धारण कर लेती है। कुत्ता भी बहुत गरीब जानवर है, लेकिन कभी-कभी उसे भी क्रोध आ ही जाता है; किंतु गधे को कभी क्रोध करते नहीं सुना, न देखा। जितना चाहो गरीब को मारो, चाहे जैसी खराब, सड़ी हुई घास सामने डाल दो, उसके चेहरे पर कभी असंतोष की छाया भी न दिखाई देगी।

(i) **(क)** गधे के
व्याख्या: गधे के

(ii) **(ग)** बिल्कुल बुद्धिहीन व्यक्ति को
व्याख्या: बिल्कुल बुद्धिहीन व्यक्ति को

(iii) **(घ)** किसी को विपदा में न डालने वाली सहनशीलता
व्याख्या: किसी को विपदा में न डालने वाली सहनशीलता

(iv) **(क)** गधे को
व्याख्या: गधे को

(v) **(क)** निर्
व्याख्या: निर्

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ग)** दूरबीन
व्याख्या: पक्षियों के विषय में अधिक से अधिक जानकारी एकत्र करने के कारण उन्हें सदैव दूरबीन के साथ देखा जाता था।

(ii) **(क)** मान व समृद्धि
व्याख्या: परसाई जी ने जूते को समृद्धि तथा टोपी को मान- सम्मान का प्रतीक माना ।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

काबा फिरि कासी भया, रामहिं भया रहीम।
मोट चून मैदा भया, बैठि कबीरा जीम।।

(i) **(ख)** ज्ञानी लोगों के लिए
व्याख्या: ज्ञानी लोगों के लिए

(ii) **(ग)** धार्मिक भेदभाव के समाप्त होते ही
व्याख्या: धार्मिक भेदभाव के समाप्त होते ही

(iii) **(क)** आटा और मैदा एक ही चीज (गेहूँ) के बनते हैं, उसी तरह राम और रहीम भी ईश्वर के ही दो रूप हैं

व्याख्या: आटा और मैदा एक ही चीज (गेहूँ) के बनते हैं, उसी तरह राम और रहीम भी ईश्वर के ही दो रूप हैं

(iv) **(क)** सांप्रदायिक एकता को बनाए रखना

व्याख्या: सांप्रदायिक एकता को बनाए रखना

(v) **(ख)** खाना

व्याख्या: खाना

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ग)** सूरज की किरणें

व्याख्या: सूरज की किरणें

(ii) **(ग)** पुनरुक्ति प्रकाश

व्याख्या: पुनरुक्ति प्रकाश। यहां 'छोटे-छोटे' शब्दों का प्रयोग कई बार किया गया है अत यहां पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) तिब्बत में कृषि योग्य जमीन को छोटे-छोटे जागीरदारों में बाँटा गया है। इन जमीनों पर मठों का नियंत्रण है। प्रत्येक मठ का प्रमुख बौद्ध भिक्षु होता है। इन पर काम करने वाले मजदूर बेगार में ही मिल जाते हैं। इसका प्रबंधन करने वाले बौद्ध भिक्षु को राजा की तरह माना जाता है।

(ii) 'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ में लेखक द्वारा उनके जूते फटने के निम्नलिखित कारण बताए गए हैं-

i. बनिया द्वारा दिए गए उधार के सामान के पैसे के तकादे से बचने के लिए प्रेमचंद दूर का चक्कर लगाते हुए घर जाते थे |

ii. कोई ऐसी चीज़ जो परत-दर-परत जम गई थी, उस पर प्रेमचंद ठोकर मारते रहे जिसकी वजह से उनका जूता फट गया |

iii. रास्ते में आने वाले टीलों पर भी प्रेमचंद ने अपना जूता आजमाया होगा और उसकी मज़बूत ठोकर से जूता फट गया होगा |

(iii) महादेवी वर्मा बचपन से ही तुकबंदी किया करती थीं। सुभद्रा कुमारी उससे दो साल बड़ी थीं तथा उस समय तक एक प्रसिद्द कवयित्री बन चुकी थीं। वे लेखिका के साथ छात्रावास के कमरे में रहती थीं। लेखिका उनसे छुप-छुपकर ब्रजभाषा में तुकबन्दियाँ करती रहती थीं । एक दिन महादेवी जी की डेस्क की तलाशी लेने पर उन्हें महादेवी द्वारा लिखी हुई एक कविता मिली, जिसे पढ़कर सुभद्रा को पता चल गया कि महादेवी भी लिखती हैं।

(iv) वर्तमान समय का समाज आधुनिकता की अंधी दौड़ में लगा हुआ है। पाश्चात्य संस्कृति के झूठे प्रतिमानों को अपनाने में हम अपनी प्रतिष्ठा समझने लगे हैं। अनुकरण का मतलब ही है-नकल करना या पीछे चलना। हम पश्चिमी देशों के नक्शे-कदम पर चलने में जुट गए हैं।

आज जो पश्चिमी देशों अमेरिका और यूरोप के देशों में हो रहा है, वह कुछ समय बाद भारत में

भी संभव हो जाएगा। इस प्रकार अपनी परंपराओं का अवमूल्यन (समाप्त) करके नई संस्कृति को अपनाना अनुकरण की संस्कृति है।

12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) कवयित्री ने अपने वाख में 'माँझी' और 'उतराई' शब्दों का प्रयोग किया है, जिनका क्रमशः प्रतीकार्थ है-उसका प्रभु तथा सद्कर्म और भक्ति। यह माँझी (कवयित्री का प्रभु) उसे भवसागर के पार ले जाता है तथा मुक्ति प्रदान करता है।

(ii) मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में निम्नलिखित परिवर्तन हुए-

i. ठंडी हवाएँ चलने लगीं जो बढ़कर आँधी में बदल गईं।

ii. गली में धूल उड़ने लगी।

iii. ऊँचे पेड़ों की चोटियाँ तथा शाखाएँ झुकने-उठने लगीं।

iv. लताएँ हवा में लहराने लगीं।

(iii) कवि जेल के आसपास अन्य पक्षियों का चहकना सुनता होगा पर उसने कोयल से ही बात की क्योंकि कोयल किसी ऋतु विशेष में ही अधिक चहकती है। वह प्रातःकाल और शाम के समय ही अपने मधुर गीत गाती है , इस प्रकार रात में नहीं चिल्लाती। जबकि अन्य पक्षी साल साल भर चहकते रहते हैं। इस प्रकार आधी रात में बोलकर कोयल शायद कुछ विशेष संदेश देने आई है। ब्रिटिश काल में क्रांतिकारी भी छिप-छिपकर एक-दूसरे को गुप्त संदेश द्वारा अपनी योजनाएँ बताया करते थे। कवि को कोयल और क्रांतिकारियों की कार्यप्रणाली में समानता दिखाई दी।

(iv) कवि रसखान अपने हर जन्म में ब्रजभूमि में जन्म लेना चाहते हैं, भले ही उनका जन्म किसी भी रूप में क्यों न हो। वे बार-बार ब्रजभूमि में इसलिए जन्म लेना चाहते हैं क्योंकि वे कृष्ण के अनन्य भक्त हैं। कृष्ण ने ब्रजभूमि में तरह-तरह की लीलाएँ की थीं, जिनकी यादें अब भी हैं। कवि इन यादों से जुड़ना चाहते हैं तथा श्रीकृष्ण का सानिध्य पाना चाहते हैं।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) लेखक का गाँव परती क्षेत्र में था। अतः वे गाँव के अन्य लोगों की तरह तैरना नहीं जानते थे परंतु वे अपनी छोटी आयु से ही ब्वाय स्काउट, स्वयं सेवक तथा रिलीफ वर्कर की हैसियत से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोगों की सेवा लगातार करते रहे। लेखन के क्षेत्र में भी उन्होंने अपना वर्ण्य विषय बाढ़ को ही बनाया। हाईस्कूल में बाढ़ पर लेख लिखकर प्रथम पुरस्कार पाने से शुरू हुई लेखन यात्रा धर्मयुग में 'कथा दशक' जय गंगा (1947), डायन कोसी (1948), हड्डियों का पुल (1948) आदि छिटपुट रिपोर्ताज के अतिरिक्त उपन्यासों पर जा कर रुकती है। इनके उपन्यासों में बाढ़ की विनाश लीलाओं पर कई प्रसंग वर्णित हैं। अतः यह स्पष्ट होता है कि लेखक ने इस आपदा के समय अत्यंत संजीदगी से अपना कार्य किया है।

(ii) एक बार जब हवेली के सारे पुरुष बारात में गए थे और औरतें रतजगा मना रही थीं। ऐसे में दादी माँ एक कमरे में सोई थीं। इसी समय एक चोर सेंध लगाकर घर में घुस आया। दादी माँ की आँख खुल गई। उन्होंने पूछा “कौन”? चोर ने जवाब दिया, “जी मैं।” दादी ने उसे कुएँ से पानी

लाने भेज दिया। हड़बड़ाया चोर पानी लाने चला गया। पानी लेकर लौटते समय उसे पहरेदार ने पकड़ लिया। दादी ने लोटे का आधा पानी स्वयं पीया और आधा पानी चोर को पिलाकर कहा, "आज से हम दोनों माँ-बेटे हुए, चाहे तो तू चोरी कर चाहे खेती।" चोर ने उसी समय से चोरी का धंधा छोड़कर खेती करने लगा। इस प्रकार उसका जीवन बदल गया।

(iii) प्रस्तुत पाठ में गोपाल प्रसाद रूढ़िवादी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो पढ़ी-लिखी स्त्री को घृणा की नज़र से देखते हैं। उन्हें लगता है कि पढ़-लिखकर काबिल बनना पुरुषों का ही काम है। औरतों के पढ़ने-लिखने से गृहस्थी चौपट हो जाती है और उनके नखरे बढ़ जाते हैं। वहीं उनके लिए लड़की का सुंदर होना निहायती (अत्यधिक/बहुत ज्यादा) जरूरी है।
एक संवेदनशील नवयुवक होने के नाते मैं उनके इन विचारों का घोर विरोध करता हूँ। मेरे विचार से शिक्षा पर सभी का समान अधिकार होता है, फिर वह चाहे स्त्री हो या पुरुष। शिक्षा किसी भी व्यक्ति के सर्वोत्तम विकास के लिए अति आवश्यक है। शिक्षा से पुरुषों का भला हो और स्त्रियों के चरित्र का हनन हो, यह भला किस प्रकार संभव है? मेरे विचार से शिक्षा स्त्रियों के लिए भी उतनी ही आवश्यक एवं महत्त्वपूर्ण है, जितनी पुरुषों के लिए। इसलिए मैं स्त्री-शिक्षा का पुरज़ोर समर्थन करता हूँ और उनके प्रति अपने नैतिक दायित्वों का निर्वाह करने का पूरा प्रयत्न करूँगा। मैं अपने आसपास के लोगों में भी स्त्री-शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास करूँगा।

14. 'सत्यमेव जयते' मुंडकोपनिषद से लिया गया यह वाक्य भारत का राष्ट्रीय वाक्य है। इस वाक्य का अर्थ है- 'सत्य ही जीतता है।' सत्य की जीत और झूठ की हार की कहानियाँ सब लोग बचपन से सुनते-सुनाते आ रहे हैं, फिर भी बहुत कम लोग सत्य के पक्ष में खड़े होने का साहस दिखाते हैं। सत्य कटु होता है, अप्रिय होता है, अरुचिकर होता है और सबसे बड़ी बात सत्य होते हुए भी इसे अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ता है परन्तु अंत में सत्य ही जीतता है। झूठ कभी स्थायी रूप से अपना प्रभाव बनाए नहीं रख सकता, क्योंकि उसके पाँव नहीं होते, वह हमेशा दूसरों के सहारे चलता है। सत्य हमारे चारों ओर हैं, जिन्हें हम देखते हैं और सत्य ही सबसे बड़ा धर्म है। महाभारत में सत्य को स्वर्ग का सोपान बताया गया है-सत्यं स्वर्गस्य सोपानम्। सत्य की अलौकिक महिमा के कारण ही पंडित मदन मोहन मालवीय ने राष्ट्रीय स्तर पर 'सत्यमेव जयते' मन्त्र का प्रचार किया और इसे भारत का राष्ट्रीय वाक्य घोषित किया गया।

अथवा

गाँधीजी ने कहा था- 'भारत का हृदय गाँवों में बसता है। गाँवों में ही सेवा और परिश्रम के अवतार किसान बसते हैं। ये किसान ही नगरवासियों के अन्नदाता हैं, सृष्टि-पालक हैं।' निरक्षरता भारतीय कृषक की पतनावस्था का मूल कारण है। शिक्षा के अभाव के कारण वह अनेक कुरीतियों से घिरा है। अंधविश्वास और रूढ़ियाँ उसके जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। आज भी वह शोषण का शिकार है। वह धरती की छाती को फाड़कर, हल चलाकर अन्न उपजाता है किन्तु उसके परिश्रम का फल व्यापारी लूट ले जाता है। उसकी मेहनत दूसरों को सुख-समृद्धि प्रदान करती है। भारत में कृषि और किसानों की हालत दिनों-दिन बदतर होती जा रही है, जिसके कारण अनेक किसान आत्महत्या तक करने पर मजबूर हो जाते हैं। भारत का किसान बड़ा ही परिश्रमी है। वह गर्मी-सर्दी तथा वर्षा की परवाह किए बिना अपने कार्य में जुटा रहता है। जेठ की दुपहरी, वर्षा ऋतु की उमड़ती-घुमड़ती काली मेघ-मालाएँ तथा शीत ऋतु की हाड़ कँपा देने वाली वायु उसे कर्त्तव्य से

रोक नहीं पाती। भारतीय किसान का जीवन कड़ा तथा कष्टपूर्ण है। दिन-रात कठिन परिश्रम करने के बाद वह जीवन की आवश्यकताएँ नहीं जुटा पाता, न उसे पेट-भर भोजन मिलता है और न शरीर ढँकने के लिए पर्याप्त वस्त्र। अभाव और विवशता के बीच ही वह जन्मता है तथा इसी दशा में मृत्यु को प्राप्त हो जाता है। भारत में बहुत से ऐसे लघु उद्योग हैं जो किसान आसानी से अपने घर से कर सकते हैं। इसके लिए सरकार को जागरूक होना चाहिए। कभी खराब बीजों की वजह से तथा फसलों की कम कीमत और खराब मौसम की दोहरी मार से किसानों की बुरी दुर्दशा हो जाती है। किसानों की दुर्दशा को ध्यान में रखते हुए सरकार को किसानों का कर्ज माफ कर देना चाहिए तथा किसानों के लिए सरकार को लघु उद्योग लगाने की व्यवस्था करनी चाहिए।

अथवा

ऐसे हों पड़ोसी

मनुष्य समाज से पृथक रहकर अपने जीवन यापन की कल्पना नहीं कर सकता है। अगर वह ऐसा करता है तो वह पशुतुल्य है। सामाजिक जीवन में सर्वपर्थम एक अच्छे पड़ोसी की आवश्यकता होती है। दिन अथवा रात कठिन परिस्थितियों में हम सबसे पहले अपने पड़ोसी से सहायता माँगते है, क्योंकि वही हमारे सबसे निकट होता है। इसलिए यह कहना अनुचित न होगा कि हमारा प्रिय स्वजन हमारा पड़ोसी होता है। यही हमारी मदद करता है। अगर हमारे अच्छे पड़ोसी है तो ऐसा प्रतीत होगा कि हम स्वर्ग में रह रहे है क्योंकि अच्छे पड़ोसी होते है तो हमारे जीवन की आधी परेशानियाँ स्वतः समाप्त हो जाती है जिससे हमारे जीवन शैली और जीवन स्तर में विकास होता है। पड़ोसी एक - दूसरे के पूरक होते है। खुशनुमा अवसर हो अथवा गमगीन माहौल, पड़ोसी जितनी सहायता करते है उतनी तो कभी हमारे अपने भी न करें। अच्छे पड़ोसी आवश्यकता पड़ने पर निस्वार्थ भाव से हमारी सम-विषय परिस्थितियों में हमारे साथ खड़े होते है तथा हमारे सहायक भी होते है। किसी ने ठीक ही कहा है कि ..प्रेम करने वाला पड़ोसी दूर रहने वाले भाई से कही उत्तम है।.. मेरे माता - पिता विवाहोत्स्व में सम्मिलित होने के लिए शहर से बाहर गए थे। इस बीच मेरे छोटे भाई का स्वास्थ्य अचानक ख़राब हो गया। उन्होंने और उनकी धर्मपत्नी ने पूरी रात बैठकर उसकी देखभाल की। परिणामस्वरूप अगले दिन उसके स्वास्थ्य में सुधर आ गया। हमारे पडोसी बहुत सरल एवं सज्जन व्यक्ति है। हमेशा हमारी सहायता के लिए तटपर रहते है। हमारे मध्य बहुत घनिष्ठ सम्बन्ध बन गए है। मारनी जैक्सन ने सही कहा है कि ..जिस तरह हम अपने परिवार के सदस्यों को नहीं चुन सकते, उसी प्रकार पड़ोसियों को चुनना भी अक्सर हमारे वश में नहीं होता है। इस तरह के रिश्तों में सूझ - बूझ से काम लेना पड़ता है, अदब से पेश आने और सहनशीलता दिखने की जरूरत पड़ती है।..

15. सेवा में,
पुलिस आयुक्त
पुलिस चौकी
हरी नगर

विषय- आपकी सहायता से पार्क को स्वच्छ करवाने हेतु धन्यवाद पत्र।

मान्यवर,

मैं आपके क्षेत्र का नागारिक हूँ और मैनें अपने क्षेत्र के खेल के मैदान की समस्या के बारे मे आपकी पुलिस चौकी में आकर बताया था कि लोगों ने कूड़ा और सारी गंदगी पार्क में फेंककर उसकी सुंदरता को नष्ट कर दिया और अब बच्चों के खेलने के लिए भी कोई स्थान नहीं बचा। आपके द्वारा

भेजी गई पुलिस फोर्स ने पार्क की सफाई का कार्य शुरु करवाया और लोगों को कड़े आदेश दिए कि वे पार्क में गंदगी न फैलाएँ।
आपने और सभी पुलिस बल ने हमारी बहुत सहायता की और पार्क को बच्चों के खेलने का स्थान दोबारा से बनाने के लिए आप सबकों बहुत धन्यवाद।
भवदीय
एक जागरूक नागरिक
गोविन्द
दिनांक - 05/08/20......

अथवा

परीक्षा भवन,
दिल्ली।
दिनांक : 05 मार्च, 2019
प्रिय मित्र,
सस्नेह नमस्कार !
कल ही तुम्हारा पत्र मिला। पढ़कर एक नई जानकारी प्राप्त हुई। तुमने ऑस्ट्रेलिया में मनाए जाने वाले त्योहारों का बड़ा ही सुंदर वर्णन किया है। अब मैं इस पत्र में भारतीय त्योहारों के विषय में लिख रहा हूँ। भारत त्योहारों का देश है जिनमें दीवाली, दशहरा, होली, रक्षा बंधन, जन्माष्टमी, लोहड़ी, करवाचौथ, बसंत पंचमी, बैसाखी, 15 अगस्त, 26 जनवरी, 2अक्टूबर, 14 नवंबर आदि प्रमुख हैं। पर इसके अतिरिक्त भी यहाँ बहुत-से त्योहार मनाए जाते हैं। दीवाली अज्ञान पर ज्ञान की विजय, दशहरा असत्य पर सत्य की जीत, होली में सभी पुराने बैरों को भूलकर एक दूसरे से गले मिलते हैं। हर त्योहार भारतीय बड़ी ही धूमधाम से मनाते हैं। दीवाली दीपों का त्योहार है, दशहरा मेलों का त्योहार तथा होली रंगों का त्योहार है। मित्र, इस पत्र में इतनी जानकारी पर्याप्त है। शेष अगले पत्र में लिखूँगा।
अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना तथा छोटे भाई को प्यार देना।
तुम्हारा अभिन्न मित्र,
विशाल मल्होत्रा

16. **मैं तितली हूँ**

मैं एक तितली हूँ। मैं एक छोटे-से अंडे से निकली। उसमें से लार्वा निकला और दो रंगीले, कोमल और चमकीले पंखों को अपने शरीर पर लिए हुए मेरा जन्म हुआ। मुझे फूलों से विशेष लगाव है। रंग-बिरंगे फूलों पर बैठकर उनका रसपान करना मुझे बहुत पसंद है। जब मैं फूलों पर बैठती हूँ तो छोटे-छोटे बच्चे मुझे पकड़ने के लिए मेरे पीछे भागते हैं पर मैं उनसे बच निकलती हूँ।
एक दिन एक शरारती बच्चा मुझे पकड़कर अपने घर ले गया। तब तो मैं घबरा गई थी। बच्चे की माँ ने समझाया कि वो मुझे खुले आसमान में उड़ने दे। जैसे ही उसने मुझे छोड़ा, मेरी जान में जान आई और मैं खुले आसमान में उड़ गई।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: pccfgnctd@gmail.com

CC ...
BCC ...
विषय - वृक्षों की अवैध कटाई के संबंध में
महोदय,
मैं आपका ध्यान अपने मोहल्ले वैशाली नगर की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। इस मोहल्ले से कुछ दूरी पर हरा-भरा बाग था। बाग के पास से एक कच्चा रास्ता आगे जाकर मुख्य सड़क पर मिलता था। इसी रास्ते को चौड़ा करने के नाम पर इस बाग तथा आसपास के क्षेत्रों में उन हरे-भरे पेड़ों को काटा जा रहा है जो कि यहाँ के पर्यावरण के लिए घातक है। इन पेड़ों को न काटा जाता तब भी पर्याप्त चौड़ी सड़क बन जाती, किंतु कुछ ठेकेदार किस्म के लोग इन पेड़ों के दुश्मन बने हुए हैं।
आपसे विनम्र प्रार्थना है कि पेड़ों की अनियंत्रित कटाई रोकने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने की कृपा करें। हम क्षेत्रवासी आपके आभारी रहेंगे।
पवन

17. **मोहित** - नमस्कार!
गौरव - नमस्कार!
मोहित - क्या आप भी साक्षात्कार हेतु यहाँ आए हैं ?
गौरव -जी हाँ, और आप ?
मोहित - मैं भी साक्षात्कार के लिए ही आया हूँ। अभी तक अकेला था। सोच रहा था कि कहीं गलत दिन तो नहीं आ गया।
गौरव - नहीं, आप ठीक दिन ही आए हैं। हम जरा वक्त से कुछ ज्यादा ही जल्दी आ गए हैं। दूसरे उम्मीदवार भी आते ही होंगे।
मोहित - आप कहाँ से आए हैं?
गौरव - मैं पास में पंजाबी बाग में ही रहता हूँ। आप कहाँ से आए हैं ?
मोहित - मैं कमला नगर से आया हूँ।
गौरव - अच्छा, आपने एम०ए० कहाँ से किया है?
मोहित - हिमाचल विश्वविद्यालय से।
गौरव - फिर तो आप डॉ० हरीश अरोड़ा से भी पढ़े होंगे?
मोहित - हाँ, वे हमें नाटक पढ़ाते थे। अब मैं उनके निर्देशन में ही शोध कर रहा हूँ।
गौरव - बहुत अच्छा! नाटकों पर ही शोध कर रहे हैं।
मोहित - आपने बिलकुल ठीक पहचाना। मेरी शोध का विषय आधुनिक नाटक ही है।
गौरव - आपसे मिलकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई।
मोहित - मुझे भी।
गौरव - अरे! हमारे बीच इतनी बातें हो गई और मैंने आपका नाम तो पूछा ही नहीं।
मोहित - मेरा नाम मोहित है और आपका ?
गौरव - धन्यवाद मोहित जी! मेरा नाम गौरव है। आपसे मुलाकात अच्छी रही।

अथवा

सर्व शिक्षा विद्यालय, मुंबई

09/10/2023

सूचना
वार्षिक खेल महोत्सव

हम आप सभी को सूचित करना चाहते हैं कि हमारे विद्यालय के द्वारा हर वर्ष की भाँति इस बार भी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता आगामी सात अप्रैल को आयोजित की जाएगी। सभी कक्षाओं के छात्र इसमें हिस्सा ले सकते हैं। इस प्रतियोगिता में कुल 18 तरह के खेल शामिल किए गए हैं। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कारित किया जाएगा। इसलिए, आप सभी छात्रों से अनुरोध है कि जो भी इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में हिस्सा लेना चाहते हैं, वे अपना नाम विद्यालय के खेल शिक्षक के पास यथाशीघ्र दर्ज करा दें। आधिक जानकारी के लिए, खेल शिक्षक से संपर्क करें।

छात्रपरिषद सचिव
संगीत महिपाल